

प्रसाधारस

EXTRAORDINARY

भाग І—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 208]

नई विल्ली, शुक्रबार, सितम्बर 7, 1973/भाद्र 16, 1895

No. 208]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 7, 1973/BHADRA 16, 1895

इस भाग में भिष्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 7th September 1973

Subject—Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1973—March, 1974 (Amendment No. 38).

No. 149-ITC(PN)/73—Attention is invited to the Import Policy for Registered Exporters as contained in the Import Trade Control Policy (Red Book—Volume II) for the period April, 1973—March, 1974, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 46-ITC(PN)/73, dated the 2nd April 1973.

2. The following amendment may be made at appropriate place indicated below:—

Page No. of the Red Book (volume II)	Reference	Amendment
175	S. 6. 1 Col. 5	At the end of the existing remark (1), the following may be added:— "Base metal imitation jewellery studded with semi- precious stones will also fall under this Sl. No."

S. G. BOSE MULLICK,

Chief Controller of Imports and Exports.

(1237)

वारिएउच मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

श्रायात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1973

श्रिषय.—श्रप्रैल, 1973-मार्च, 1974 वर्ष के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए श्रायात नीति (संशोधन संख्या 38)।

संव 149-माई० टी० सी० (पी०एन०)/73-—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजिनिक सूचना संख्या: 46-माई०टी०सी० (पी०एन०)/73 दिनांक 2-4-73 के म्रन्तर्गत अप्रेल, 1973— मार्च, 1974 वर्ष के लिए जारी की गई म्रायात व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक (रेडबक) के बाठ 2 में पंजीकृत निर्यातकों के लिए निहत म्रायात नीति की भ्रोर ध्यान भ्राकृष्ट किया जाता है।

2. निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्टानुसार उपयक्त स्थानों पर किये जाएं :---

रेडबुक (वा० 2) की पृष्ठ संख्या	संदर्भ	संशोधन
175	एस॰ 6.1 कालम 5	वर्तमान टिप्पणी (1) के श्रन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाए: ''कम बहुमूल्य नगीनों से जड़े हुए खोटी धातु के कृत्निम श्राभषण भी इस कमसंख्या के श्रन्तगत श्रायेंगे।"

एस० ्रंजी० बोस मल्लिक, मुख्य नियंक्षक, श्रायात-निर्यात ।